राजकीय महाविद्यालय, सूरतगढ़

दिनांक 11.01.2020

दिनांक 11.01.2020 को महाविद्यालय की एक भारत श्रेष्ठ भारत इकाई के तत्वाधान में एक व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें व्याख्यान का विषय "आसाम की संस्कृति के आधार" रखा गया। महाविद्यालय के सहायक आचार्य श्री मोहन लाल दायमा ने विद्यार्थियों को आसाम की संस्कृति के विषय में विस्तार से बताया तथा आसाम की संस्कृति के प्राचीन स्वरूप व वर्तमान स्वरूप में समता एवं असमानता के माध्यम से आसामी संस्कृति के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी दी। श्री दायमा ने आसाम के कामख्या मंदिर, देवी डोल, कारेंगघर, बिहु नृत्य तथा आसाम के लोगों की सामाजिक–सांस्कृतिक परम्पराओं के विषय में विद्यार्थियों के ज्ञान में वृद्धि की। श्री दायमा ने दूसरे राज्य के संस्कृतिओं से जुडकर भारत देश की विविधता में एकता की विशेषता को ओर अधिक सुदृढ़ करने पर बल दिया तथा विद्यार्थियों से ना केवल आसाम अपितु देश के अन्य राज्यों की सांस्कृतिक विशेषताओं को समझने के लिये भी प्रेरित किया। इस दौरान श्री दायमा ने विद्यार्थियों के प्रश्नों के उत्तर देकर उनकी जिज्ञासाओं को शांत भी किया। इस कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ आशा सुनारीवाल ने भी विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए आसाम राज्य में चाय की कृषि के विषय में रोचक जानकारी विद्यार्थियों से साझा की। इस कार्यक्रम में 48 विद्यार्थियों की उपस्थिति हुई। कार्यक्रम के अंत में श्री महबूब खान मुगल ने आभार व्यक्त करते हुये विद्यार्थियों को आसाम राज्य की भौगोलिक दशाओं के बारे में अवगत करवाया।

कार्यक्रम अधिकारी

प्राचार्य

राजकीय महाविद्यालय, सूरतगढ़

Scanned with CamScanner